यह रहा आपका कंटेंट स्वाभाविक, शुद्ध और मातृभाषी-जैसी हिंदी में अनुवाद, जिसमें बाइबल के पद ठीक प्रकार से उद्धरण सहित रखे गए हैं:

Home / Home /
तुम जो वीणा के साथ मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो

आमोस 6:5 — “तुम जो वीणा के साथ मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो, और दाऊद के समान अपने लिए भाँति-भाँति की वीणाएँ बनाते हो”

तुम जो वीणा के साथ मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो

प्रश्न:
प्रभु इस पद में क्या कहना चाहते हैं?
आमोस 6:5 — “तुम जो वीणा के साथ मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो,
और दाऊद के समान अपने लिए भाँति-भाँति की वीणाएँ बनाते हो।” क्या प्रभु दाऊद को उसके स्तुति करने के तरीके के कारण दोषी ठहरा रहे थे?

उत्तर:
उत्तर है — नहीं!
इस पद का अर्थ यह नहीं है कि परमेश्वर उन लोगों से घृणा करता है जो वाद्य यंत्रों के द्वारा, या अनेक प्रकार के संगीत के साथ

उसकी स्तुति करते हैं। नहीं, इसके विपरीत, वह हमें ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। वास्तव में, यही उन कारणों में से एक था जिनके कारण परमेश्वर दाऊद से प्रेम करता था।

दाऊद ने पवित्र आत्मा की प्रेरणा से ये शब्द लिखे:

भजन संहिता 150:3–6
“नरसिंगे के शब्द से उसकी स्तुति करो;
वीणा और सारंगी से उसकी स्तुति करो।
डफ और नृत्य से उसकी स्तुति करो;
तार वाले बाजों और बाँसुरी से उसकी स्तुति करो।
झाँझों के मधुर शब्द से उसकी स्तुति करो;
ऊँचे शब्द वाली झाँझों से उसकी स्तुति करो।
जिस किसी में श्वास हो वह यहोवा की स्तुति करे।
हालेलूयाह!”

देखिए! यह स्पष्ट करता है कि परमेश्वर विभिन्न वाद्य यंत्रों और भिन्न-भिन्न संगीतात्मक ध्वनियों के द्वारा की गई स्तुति से बहुत प्रसन्न होता है।

तो फिर आमोस के इस पद में ऐसा क्यों लगता है कि वह ऐसा करने वालों को डाँट रहा है?

ध्यान दीजिए, वहाँ लिखा है: “तुम जो मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो।” अर्थात, वे जो गा रहे थे वह परमेश्वर की महिमा नहीं करता था। बाहर से तो वह परमेश्वर-सा लगता था, पर वास्तव में वह सांसारिक था। वे परमेश्वर की आराधना आत्मा और सच्चाई में नहीं कर रहे थे। उनके काम परमेश्वर से दूर थे, फिर भी वे स्वयं को कुशल वाद्य यंत्रों के साथ उसकी स्तुति करते हुए दिखाते थे।

यही उस समय इस्राएल के लोगों की स्थिति थी। वे बहुत से पाप और विद्रोह कर रहे थे, लेकिन अपने आप को दाऊद की तरह परमेश्वर की जोरदार स्तुति करने वाला दिखाते थे। परिणामस्वरूप, परमेश्वर ने उनकी कपटी स्तुति से घृणा की और उन्हें दण्ड दिया — उन्हें बाबुल की बंधुआई में ले जाया गया।

यदि आप थोड़ा पहले के पद पढ़ें, तो प्रभु कहते हैं:

आमोस 6:8–9
“प्रभु यहोवा ने अपने प्राण की शपथ खाई है, सेनाओं के परमेश्वर यहोवा की यह वाणी है:
‘मैं याकूब के घमण्ड से घृणा करता हूँ, और उसके महलों से मुझे बैर है;
इस कारण मैं नगर को और जो कुछ उसमें है सब सौंप दूँगा।
और यदि किसी घर में दस मनुष्य रह जाएँ, तो वे भी मर जाएँगे।’”

देखिए — यह आज की मसीह की कलीसिया के लिए भी एक उदाहरण है।

आज हमारे पास परमेश्वर की स्तुति के लिए बहुत से आधुनिक वाद्य यंत्र हैं — गिटार, शक्तिशाली स्पीकर, पियानो, आधुनिक वीणाएँ, तुरहियाँ आदि। इन सबके द्वारा परमेश्वर की स्तुति करना अच्छी बात है।
लेकिन आज जो गाया जा रहा है, और जिन नृत्य शैलियों का उपयोग किया जा रहा है, वे अक्सर “मूर्खता” के समान हैं, जैसा कि प्रभु ने कहा। परमेश्वर के गीतों और संसारिक कलाकारों के गीतों में अंतर कर पाना कठिन हो गया है।

और यदि हम परमेश्वर की स्तुति के शब्द भी गाएँ, परंतु पर्दे के पीछे हमारे जीवन और काम उद्धार और पवित्रता से बहुत दूर हों, तो वह स्तुति परमेश्वर को स्वीकार्य नहीं होती।

इसलिए यह भविष्यवाणी हम पर भी लागू होती है। हमें स्वयं को सुधारना चाहिए, ताकि प्रभु हमसे घृणा न करे और हमें वैसा दण्ड न दे जैसा उसने इस्राएलियों को बाबुल की बंधुआई में भेजकर दिया था।

बाइबल हमें सिखाती है कि हम परमेश्वर की आराधना पवित्रता की शोभा में करें — केवल होंठों और संगीत की ध्वनियों से नहीं — ताकि हम वे आशीषें प्राप्त करें जो उसने इसके लिए ठहराई हैं।

तुम जो वीणा के साथ मूर्खतापूर्ण गीत गाते हो

1 इतिहास 16:29
“यहोवा के नाम की महिमा उसके योग्य मानकर दो;
… पवित्रता की शोभा में यहोवा की आराधना करो।”

शालोम।

यदि आप चाहें, मैं:

इसे सरल हिंदी में,
या औपचारिक/प्रचार-उपयोग वाली हिंदी में,
या देवनागरी + रोमन हिंदी दोनों में
भी तैयार कर सकता हूँ।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp